सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

–चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोनः 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-254 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, सोमवार 19 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्यः 2.50

आमजन को समय पर मिले राहत, सरकार पर उनका भरोसा हो और मजबूत–भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की 8 करोड़ जनता के समग्र कल्याण के लिए समर्पण भाव से कार्य कर रही है। हम राज्य की चहुंमुखी प्रगति के लिए जनकल्याणकारी विकास योजनाओं का निर्बाध संचालन सुनिश्चित कर रहे हैं। इनमें विधिक कारणों से किसी प्रकार की रूकावट ना आए इसके लिए राज्य सरकार द्वारा न्यायालयों में लंबित मामलों में प्रभावी रूप से पक्ष रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आमजन को समय पर राहत मिले और सरकार पर उनका भरोसा और अधिक मजबूत हो इसके लिए सभी अधिकारीगण अपने कर्तव्यों का जिम्मेदारीपूर्ण निर्वहन करें। शर्मा ने कहा कि विधिक कार्यों में राज्य सरकार की ओर से संसाधनों की किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री आवास पर न्यायालयों में लंबित

विभिन्न विभागों से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन का हित ही हमारी प्रमुख प्राथमिकता है। इसलिए जनकल्याण से जुड़े प्रकरणों की न्यायालयों में प्राथमिकता से पैरवी की जाए। ऐसे महत्वपूर्ण प्रकरणों में राज्य सरकार की तरफ से प्रभावी ढंग से पक्ष रखने के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ता स्तर पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं को नियुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में उच्चस्थ अदालतों में अपील की आवश्यकता हो उनमें राज्य सरकार की ओर से समय पर अपील की जाए।

लंबित प्रकरणों की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग हो सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों में विभाग की तरफ से नियुक्त अधिकारीगण प्रकरणों की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करना सुनिश्चित करें। ये अधिकारी न्यायालय में पैरवी के लिए राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिवक्ता के साथ निरंतर संपर्क में रहते हुए उन्हें आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध करवाएं जिससे इन प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण हो सके। उन्होंने विभागों के शासन सचिवों को निर्देश दिए कि इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चाधिकारी स्वयं भी नियमित रूप से अधिवक्ताओं के साथ चर्चा कर प्रकरण से संबंधित विभिन्न पहलूओं से उन्हें अवगत कराएं।

पेंडेंसी कम करने के लिए समयबद्ध लक्ष्य तय कर की जाए कार्यवाही

शर्मा ने कहा कि न्यायालय में विचाराधीन ऐसे मामले जो एक से अधिक विभागों से संबंधित हैं उनके लिए संबंधित विभाग आपसी सहयोग एवं निरंतर समन्वय के साथ विधिक कार्यवाही करें। इसके लिए सक्षम स्तर पर नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाए जो इन विभागों और राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिवक्ता के साथ आपसी समन्वय बनाकर कार्य को गति दें। श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री कार्यालय स्तर पर भी समन्वय हेतु अधिकारियों को नियुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोर्ट केसेज की पेंडेंसी कम करने के लिए समयबद्ध लक्ष्य तय कर कार्यवाही की जाए। विभाग पेंडिंग केसेज को प्राथमिकता के आधार पर श्रेणीवार विभाजित करें और और अधिक महत्वपूर्ण मामलों में त्वरित कार्यवाही करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन प्रकरणों में भी विभागीय अधिकारी संबंधित अधिवक्ताओं के साथ वीसी के माध्यम से नियमित बैठक कर चर्चा करें और उन्हें पूरा सहयोग करें।

भर्ती संबंधी प्रकरणों का विधिक परीक्षण कर शीघ्र करें निस्तारण–

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाना सरकार का लक्ष्य है। इसलिए न्यायालय में लंबित भर्ती संबंधी प्रकरणों का विधिवत परीक्षण करवाकर उनका शीघ्र निस्तारण करवाया जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय स्तर पर भी नियम बनाते समय विस्तृत विधिक परामर्श लिया जाए जिससे भर्ती प्रक्रिया निर्बाध रूप से संपन्न हो सके। श्री शर्मा ने कहा कि विकास योजनाओं से संबंधित भूमि के लंबित प्रकरणों में अदालत से हुए स्थगन आदेशों को प्रभावी पैरवी के साथ निरस्त करवाया जाए जिससे इन प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाया जा सके।

इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद, विभिन्न अतिरिक्त महाधिवक्तागण एवं संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। सर्वोच्च न्यायालय में राज्य सरकार की ओर से पैरवी कर रहे अतिरिक्त महाधिवक्ता वीसी के माध्यम से बैठक से जुड़े।

महिला अधिकारिता विभाग की योजनाओं का निरीक्षण, सेवाओं की गुणवत्ता पर दिए निर्देश

वित्तीय सलाहकार द्वारा महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र जोधपुर शहर का निरीक्षण किया और निरीक्षण के दौरान केन्द्र पर आए प्रकरण की काउंसलिंग कर समझाइश की गई

जोधपुर। निदेशालय महिला अधिकारिता विभाग जयपुर की वित्तीय सलाहकार हेमलता कुमारी ने शुक्रवार को महिला अधिकारिता विभाग के कार्यालय का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान संरक्षण अधिकारी सुनिता, सहायक लेखाधिकारी दीपाराम, सहायक प्रशासनिक अधिकारी ओमप्रकाश गांधी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी रामलाल, सूचना सहायक रजनी वर्मा एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया गया। जिला महिला सशक्तिकरण केन्द्र एवं पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केन्द जोधपुर का निरीक्षण कर केन्द्र द्वारा महिलाओं को दी जाने वाली सेवाओं के संबंध में निर्देश दिए गए।

वित्तीय सलाहकार द्वारा महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र जोधपुर

शहर का निरीक्षण किया और निरीक्षण के दौरान केन्द्र पर आए प्रकरण की काउंसलिंग कर समझाइश की गई। इस दौरान सुनिता संरक्षण अधिकारी म.अ., जैण्डर स्पेशलिस्ट कानाराम, प्रबन्धक अनु रांकावत, काउन्सलर अंजिला सिंह

ऑपरेशन सिंदूर के बाद देशवासियों में उत्साह, तिरंगा यात्रा सेना के प्रति सम्मान व्यक्त करने का तरीका–गजेंद्र सिंह शेखावत

जोधपुर। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देशभर में आयोजित की जा रही तिरंगा यात्रा को सेना के सम्मान में पूरा देश की एकजुटता करार दिया।

रविवार को केंद्रीय मंत्री जोधपुर पहुंचे। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि पहलगाम की भयावह घटना के बाद प्रधानमंत्री मोदी का संदेश स्पष्ट था कि आतंकवाद के इस क्रूर कृत्य के पीछे हर आतंकी को अकल्पनीय सजा मिलेगी। इसके बाद, वीर भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, जिसने भारत के 140 करोड़ लोगों को सेना के प्रति अपार गर्व और सम्मान से भर दिया। सभी जातियों, भाषाओं, वर्गों, क्षेत्रों और राजनीतिक मान्यताओं के लोग भारतीय सशस्त्र

बलों का सम्मान करने के लिए एक साथ आए हैं।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने जिस तरीके से भारत की सीमाओं पर हमला करने का प्रयास किया और जिस तरीके से भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया, उसके बाद पाकिस्तान को भारत के सामने घुटने टेकने पड़े। पाकिस्तान ने सीजफायर की मांग की। सीजफायर के लिए डीजीएमओ से संपर्क किया। इन सभी घटनाक्रम के बाद जो भारत को 2014 से पहले की तरह कमजोर समझ रहे थे, उन्हें अब भारतीय सैन्य शक्ति का आभास हो गया। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद 140 करोड़ लोग भारी उत्साह के साथ लबरेज हैं। इसी के तहत देशभर में तिरंगा यात्रा का आगाज हो रहा है। तिरंगा यात्रा में शामिल होकर लोग अपनी ओर से सेना के प्रति सम्मान व्यक्त कर रहे हैं। जोधपुर में तिरंगा यात्रा आयोजित की जा रही है। मुझे विश्वास है कि यह तिरंगा यात्रा ऐतिहासिक होगी।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने पीएम मोदी के राजस्थान दौरे पर कहा कि पीएम मोदी का यह दौरा सिर्फ राजस्थान के लिए नहीं बल्कि पूरे देश को संदेश देने का काम करेगा। पीएम अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 100 से अधिक स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी अपने दौरे के दौरान सेना के रिटायर कर्मचारियों से बातचीत करेंगे।

चिप्स में जहर मिलाकर पत्नी की हत्या, पुलिस को गुमराह करने के लिए रचा ऐसा षड्यंत्र; तीन महीने बाद खुली शातिर पति की पोल

दौसा । करीब तीन महीने पहले महिला की हुई मौत मामले में शनिवार को पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया। सड़क दुर्घटना में महिला की मौत का मामला जांच के बाद हत्या में बदल गया। इस वारदात को अंजाम देने वाला कोई और नहीं बल्कि उसका पति ही निकला, जिसने हत्या के दिन मामले को दुर्घटना का रूप दिया था। मामले में पुलिस ने आरोपी पति महेश उर्फ जीतू सैनी निवासी आदर्श बस्ती टोंक फाटक जयपुर को गिरफ्तार किया है।

दौसा पुलिस सीओ रविप्रकाश शर्मा ने बताया कि आरोपी पति महेश बीते 18 फरवरी को सुबह महाकुंभ ले जाने के बहाने पत्नी पारुल सैनी को जयपुर से कार से दौसा तक लाया था। इसके बाद सिविल लाइन इलाके में आकर रुका, जहां प्लानिंग के तहत उसने पारुल को चिप्स में जहर मिलाकर

खिलाया। इसके बाद उसका नाक और मुंह दबाकर हत्या कर दी।

हत्या को एक्सीडेंट दिखाने की कोशिश

पत्नी की मौत के बाद आरोपी ने हत्या को एक्सीडेंट का रूप देने के लिए कार को हाईवे से नीचे कूदा दिया। जहां कार एक गड्ढे में जाकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। आरोपी महेश ने खुद को बेहोश दिखते हुए घायल होने का नाटक किया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस दोनों को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गई थी। जहां डॉक्टर ने पारुल को मृत घोषित कर दिया।

उत्तर प्रदेश की रहने वाली थी पत्नी

सूचना पर उत्तरप्रदेश के अलीगढ़ से मृतका के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए और उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए शव लेने से इनकार कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने उनकी रिपोर्ट पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया, तब जाकर परिजनों ने शव लिया। इसके बाद पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट में जहर की बात सामने आई तो पुलिस का शक और गहरा गया।

आरोपी पति गिरफ्तार

सीओ रवि प्रकाश ने मायका पक्ष की शिकायत, तकनीकी विश्लेषण, एफएसएल टीम के साक्ष्य, पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट, गवाहों के बयान आदि से पूरे मामले की कड़ी से कड़ी जोड़ी। इसके बाद जब आरोपी से गहन पूछताछ की गई तो हत्या का खुलासा हो गया। पुलिस ने आरोपी पति महेश को गिरफ्तार किया है।

सोशल मीडिया से सीखता था अपराध का तरीका

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि घरेलू झगड़े और अलग घर बनाने को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। ऐसे में उसने अपनी पत्नी की हत्या का षडयंत्र रचा। आरोपी ने हत्या की प्लानिंग सोशल मीडिया पर वीडियो देखकर बनाई थी। वह सोशल मीडिया पर अपराध और उससे बचने के तरीकों के वीडियो देखता था। पत्नी को विश्वास दिलाने के लिए उसने महाकुंभ जाने के लिए मथुरा से प्रयागराज की टिकट भी बुक की थी, ताकि पत्नी को यह विश्वास हो जाए कि दोनों असल में महाकुंभ 2025 में जा रहे हैं।

पैंथर ने श्वान का शिकार कर पेड़ पर टांगा, दशहत में ग्रामीण; वन विभाग के प्रति रोष व्याप्त

दौसा। राजस्थान में दौसा जिले के कुण्डल तहसील मुख्यालय पर पैंथर के आतंक से ग्रामीण दहशत में हैं। पैंथर आबादी क्षेत्र में घुसकर पालतू पशुओं का शिकार कर अपना निवाला बना रहा है। जिससे ग्रामीण दहशत में हैं। बुधवार रात्रि को भी पैंथर पंथ वाले के समीप मकान में बैठे श्वान को शिकार की नियत से उठाकर ले गया। बाद में उसके शव को नीम के पेड़ पर टांग दिया।

पीडित रामदयाल बडाला ने बताया कि रात्रि के समय पैंथर एक श्वान को उठा ले गया। जब सुबह वे मकान के पीछे स्थित खेतों में पहुंचे तो नीम के पेड़ पर श्वान का शव टंगा मिला। सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई।

जगदीश बडाला ने बताया कि

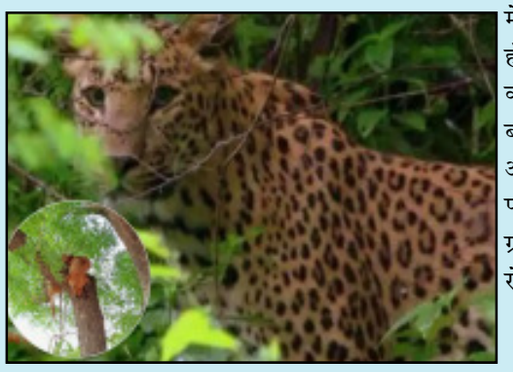

क्षेत्र में 6 माह से पैंथर का रात्रि के समय खुले आम विचरण से कस्बेवासियों में दहशत का माहौल है। बुधवार को भी उसी क्षेत्र से पैंथर द्वारा एक अन्य श्वान का भी शिकार किया गया था। इससे पूर्व ही करीब तीन माह पहले भी पैंथर ने हमला कर बाडे में बंधी भैंस व एक अन्य मवेशी को घायल कर दिया था।

ग्रामीणों ने बताया कि कुण्डल में वनपाल नाका की चौकी होने के बाद तथा वन विभाग को घटना की सूचना देने के बाद भी कोई भी कर्मचारी और अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों में विभाग के प्रति रोष व्याप्त है।

इनका कहना है

कुण्डल में लेपर्ड द्वारा कुत्ते का शिकार कर शव को पेड़ पर टांगने की सूचना मिली थी। स्टॉफ को मौके पर गश्त करने के लिए पाबंद कर दिया है। घटना स्थल पर पिंजरा लगाकर पैंथर को पकडने का प्रयास किया जाएगा।

–रविशंकर मीना, रेंजर, दौसा

गोविंद देव जी मंदिर में गायत्री महायज्ञ के साथ आशीर्वाद समारोह संपन्न

बोली बहुएं सास को मां मानकर करेंगी सेवा, परिवार की बनाएगी स्वर्ग

जयपुर। आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में रविवार को महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में गायत्री महायज्ञ के साथ नव दंपति आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया। इसमें 28 जोड़े परिवार सहित शामिल हुए जिनका विवाह पिछले दिनों ही संपन्न हुआ है। प्रेरणादाई माहौल में हुए आयोजन में बहुओं ने सास स्वसुर को माता पिता समझ कर सेवा करते हुए घर को स्वर्ग बनाने का संकल्प लिया। वहीं आयोजन में उपस्थित सास ने बहु को बेटी मानकर प्यार देने का भरोसा दिलाया।। कार्यक्रम का शुभारंभ गोविंद देव जी मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुर श्री राधा गोविंद देव जी, वेद माता मां गायत्री , पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य, मां भगवती देवी शर्मा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के व्यवस्थापक सोहनलाल शर्मा के निर्देशन में गायत्री कचोलिया, गायत्री तोमर, दिनेश मारबदे ने वेद मंत्रोच्चार के साथ सभी जोड़ों से यज्ञ में आहुतियां अर्पित करवाई। जोड़ों के सुखी वैवाहिक जीवन के लिए मां गौरी को विशिष्ट

आहुतियां भी दिलवाई। जोड़ों के अलावा 300 से अधिक लोगों ने तीन पारियों में यज्ञ देवता को आहुतियां अर्पित की ।

खुले मन से करें जीवन साथी की प्रशंसा

गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के सह व्यवस्थापक मणि शंकर पाटीदार ने युग ऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के विचारों संदर्भ देते हुए कहा कि पति पत्नी को एक दूसरे की निष्कपट भाव से प्रशंसा करते रहना चाहिए। अपने जीवन–साथी को उत्साहित करना, ऊँचा उठाना, शिक्षित, सुसंस्कृत, सभ्य नागरिक बनाना दोनों का कर्तव्य होना चाहिए। प्रत्येक अच्छाई की प्रशंसा कीजिए और दिल खोल कर कीजिए। प्रशंसा से उनके और भी गुण, अच्छा स्वभाव विकसित हो सकेगा। मित्रभाव, सहनशीलता, सहयोग बढ़ेगा। अधिकांश पलियाँ अच्छी ही होती हैं, पर पति के उत्साहित न करने से, उनका विकास रुक जाता है। झिड़कने, मारने, पीटने, अशिष्ट व्यवहार करने या निर्दयता का व्यवहार करने से पत्नी का हृदय टूक–टूक हो जाता है। विश्वास टूटते ही तलाक की नौबत आती है। इसलिए पति को सदा सर्वदा पत्नी को उच्च गुणों के सुझाव ही देने चाहिए। निष्कपट भाव से उसके प्रत्येक कार्य, घर की सजावट, रसोई, बनाव–श्रृंगार, आर्थिक सहयोग की प्रशंसा करनी चाहिए।पति को निरन्तर कोमलता और निरन्तर पत्नी की देख–रेख द्वारा उसके प्रति अपने प्रेम का प्रकाश करते रहना चाहिए। शिष्टाचार की छोटी–मोटी बातों को इज्जत और नये–नये उपहार लाने की बात भूल नहीं जाना चाहिये। क्योंकि स्त्रियाँ इस बात को बहुत महत्त्व देती है। स्त्री प्रेम और प्यार के अभाव में साधारण सुख का जीवन भी व्यतीत नहीं कर सकती। प्रेम उसकी आत्मा का भोजन है। उन्होंने कहा कि पत्नी से कुछ भी मत छिपाइए अन्यथा वह शक करेगी और गुप्त मानसिक व्यथा से जलती रहेगी। उसे यह बतला दीजिए कि आप क्या कमाते हैं ? कैसे व्यय करते हैं। पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाने का लाभ पति को ही होता है । उन्होंने कहा कि पति पत्नी को एक दूसरे के माता–पिता का इस तरह सम्मान करना चाहिए जैसा आदर वे अपने माता–पिता का करते हैं।

देहली पूजन कर लिया आशीर्वाद

हवन के बाद सभी जोड़ों ने ठाकुरजी के दर्शन कर देहली पूजन किया। मंदिर प्रबंधन की ओर से ठाकुरजी के आशीर्वाद के रूप में गोविन्द देवजी छवि, प्रसाद, दुपट्टा और भेंट दी गई।

सालासर बालाजी मंदिर के विष्णु पुजारी ने सालासर बालाजी की छवि प्रदान की। गायत्री परिवार की ओर से रमेश अग्रवाल और कैलाश अग्रवाल ने देव स्थापना का चित्र के साथ गृहस्थ जीवन से जुड़ी पुस्तकों का सेट भेंट किया। उपस्थित लोगों ने स्वस्ति वाचन के साथ सभी जोड़ों पर पुष्प वर्षा कर आशीर्वाद प्रदान किया।खुशबू नायक, सुरेंद्र, मुकेश, गिरधारी, सुदर्शन सहित अनेक नव युगल ने आयोजन की सराहना की।

पहलगाम त्रासदी : नफरत की तेज़ होती आंधी

पाकिस्तान बनने के बाद यह प्रोपेगेंडा कि पाकिस्तान के निर्माण के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं, नफरत फैलाने का एक नया औजार बन गया। हकीकत यह है कि दो देश, भारत और पाकिस्तान एक साथ बने थे। मुस्लिम बहुल इलाके पाकिस्तान का हिस्सा बने। मुस्लिम-विरोधी प्रोपेंगेंडा का एक नया मुद्दा बन गया कश्मीर का पेंचीदा मामला। 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के कश्मीर से पलायन का इस्तेमाल भी मुसलमानों खिलाफ किया गया। जब यह पलायन हुआ था तब भाजपा समर्थित वी। पी। सिंह सरकार केन्द्र में सत्ता में थी और भाजपा की विचारधारा वाले जगमोहन कश्मीर के राज्यपाल थे।

(लेखक - राम पुनियानी)

पहलगाम के पास बैसरन में 26 पर्यटकों की हत्या हाल के समय की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक है। बैसरन एक अत्यंत रमणीक स्थान है जहां सिर्फ घोड़े पर सवार होकर या ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर पैदल चलकर पहुंचा जा सकता है।

इस हत्याकांड से सारा देश गहन शोक में डूब गया। यद्यपि आतंकवादियों ने पर्यटकों की हत्या उनके धर्म की पहचान करके की थी, लेकिन हमले का शिकार होने वालों में एक स्थानीय मुसलमान घोड़े वाला, जो पर्यटकों के साथ आया था, भी था। वह तब मारा गया जब उसने आतंकियों का विरोध किया। कश्मीरी कुलियों ने पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया और कश्मीरियों ने अपने घरों और मस्जिदों के दरवाजे मेहमानों के लिए खोल दिए। कश्मीर में बंद का आयोजन किया गया और 'हिंदू मुस्लिम एकता' का संदेश देने वाले कई जुलूस निकाले गए। सारे देश में मुसलमानों और अन्यों ने मोमबत्ती जुलूस निकाले और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

लगभग इन्हीं तारीखों में मोदीजी की कश्मीर यात्रा तय की गई थी। लेकिन निर्धारित तिथि के कुछ ही दिन पहले उसे रद्द कर दिया गया। घटना के समय वे सऊदी अरब में थे। घटना के बाद वे अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर स्वदेश रवाना हो गए। किंतु वापिस अपने के बाद कश्मीर जाने के बजाए वे एक चुनावी रैली में भाग लेने के लिए बिहार चले गए जहां उन्होंने आतंकियों को अंग्रेजी में कड़ी चेतावनी दी। आतंकी मुसलमान थे और मारे गए लोग हिंदू थे। इसे दबे-छिपे ढंग से इस घटना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू बना दिया गया।

डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की। मोदीजी ने इस बारे में कुछ अलग बात कही। इस बीच गोदी मीडिया की बन आई और उसने नफरत फैलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वे अपने शानदार आरामदायक स्टूडियो में बैठे-बैठे पाकिस्तान के विभिन्न शहरों पर भारतीय सेना का कब्जा होने की खबरें देते रहे। गोदी मीडिया अपने निम्नतम स्तर पर पहुंच गया और उसने पत्रकारिता की आचार संहिता के उल्लंघन का नया रिकार्ड कायम किया, जिसे वह बहुत पहले ताक पर रख चुका है।

इस सबका सबसे बुरा नतीजा मुसलमानों के प्रति नफरत में बढ़ोत्तरी के रूप में सामने आया। सारा देश इस्लामोफोबिया के सैलाब में डूब गया और इसकी तीव्रता और स्तर अकल्पनीय ऊंचाई तक पहुंच गए। लातूर में एक मुसलमान पर पाकिस्तानी होने का लेबिल चस्पा कर उसकी बुरी तरह पिटाई गई। उसे इतना अपमान महसूस हुआ कि उसने आत्महत्या कर ली। उत्तराखंड के एक हॉस्टल में कश्मीरी छात्रों को आधी रात को बाहर निकाल दिया गया और उन्हें देहरादून विमानतल के बाहर रात बितानी पड़ी। सबसे बुरी हरकत मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के मंत्री विजय शाह ने की। उन्होंने भारतीय सेना की प्रवक्ता कर्नल सोफिया कुरैशी को 'आतंकवादियों की बहन' बताया। बाद में बात संभालने के लिए उन्होंने माफी मांग ली।

सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसायटी एंड सेक्यूलरिज्म, मुंबई की मिथिला राऊत ने दैनिक लोकसत्ता (मराठी) में प्रकाशित अपने एक लेख में विभिन्न समाचारपत्रों में छपी खबरों के आधार पर मुसलमानों के खिलाफ हुई नफरत-जनित हरकतों की जानकारी प्रस्तुत की है। उनके लेख के मुताबिक पहलगाम हमले के बाद कई मुस्लिम विरोधी घटनाएं हुईं। ऐसी शर्मनाक घटनाओं में से एक उत्तरप्रदेश के शामली के ठोडा गांव में हुई जहां गोविंद ने सरफराज पर हमला किया। गोविंद ने कहा कि तुमने हमारे 26 मारे हम भी तुम्हारे 26 मारेंगे! पंजाब के डेरा बस्सी में यूनिवर्सल समूह के छात्रावास में कश्मीरी छात्रों पर हमला किया गया।

मसूरी में रहने वाले शब्बीर धर नाम के एक कश्मीरी, जो शाल बेचते थे, और उनके सहायक पर हमला किया गया और उन्हें पहलगाम की हत्याओं का कुसूरवार बताते हुए धमकाया गया कि यदि वे दुबारा वहां नजर आए तो बहुत बुरा होगा। हरियाणा के रोहतक नाम के गांव में मुस्लिम निवासियों को धमकाया गया और उनसे 2 मई तक गांव छोड़ देने के लिए कहा गया।

ये तो केवल कुछ घटनाएं हैं जिनका विवरण समाचारपत्रों से पता लगा है। लेकिन इनसे यह साफ जाहिर है कि नफरत किस हद तक बढ़ गई है। समाज में माहौल धीरे-धीरे खराब हो रहा है। हिंदू दक्षिणपंथियों ने पहले से ही मुस्लिम विरोधी वातावरण बनाया हुआ है। शुरूआत में आरएसएस शाखाओं में मध्यकालीन इतिहास को तोड़-मरोड़ कर मुसलमानों के प्रति नफरत फैलाई गयी। हाल के कुछ सालों में गोदी मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए मुसलमानों की शत्रु की छवि बनाई गई।

इतिहास गवाह है कि पाकिस्तान के निर्माण से साम्प्रदायिक राजनीति करने वालों को एक नया हथियार मिल गया और उन्होंने यह कहना शुरू कर दिया कि पाकिस्तान बनने के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं। यह पूरी तरह से इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने वाली बात थी क्योंकि पाकिस्तान के निर्माण की तीन वजहें थीं - अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति, मुस्लिम साम्प्रदायिकता और हिन्दू साम्प्रदायिकता। द्विराष्ट्र सिद्धांत सबसे पहले हिन्दुत्ववादी विचारक विनायक दामोदर सावरकर ने पेश किया था।

पाकिस्तान बनने के बाद यह प्रोपेगेंडा कि पाकिस्तान के निर्माण के लिए मुसलमान जिम्मेदार हैं, नफरत फैलाने का एक नया औजार बन गया। हकीकत यह है कि दो देश, भारत और पाकिस्तान एक साथ बने थे। मुस्लिम बहुल इलाके पाकिस्तान का हिस्सा बने। मुस्लिम-विरोधी प्रोपेंगेंडा का एक नया मुद्दा बन गया कश्मीर का पेंचीदा मामला। 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के कश्मीर से पलायन का इस्तेमाल भी मुसलमानों खिलाफ किया गया। जब यह पलायन हुआ था तब भाजपा समर्थित वी। पी। सिंह सरकार केन्द्र में सत्ता में थी और भाजपा की विचारधारा वाले जगमोहन कश्मीर के राज्यपाल थे। इन सभी तथ्यों को नजरअंदाज करते हुए मुसलमानों को पंडितों के पलायन की मुख्य वजह बताते हुए उनके प्रति घृणा को और बढ़ाया गया।

इस तरह एक के बाद एक कई मसलों का इस्तेमाल भारतीय मुसलमानों को सताने के लिए किया गया। इन दिनों भाईचारे की बातें बहुत कम सुनायी पढ़ती हैं और हर घटना का इस्तेमाल मुसलमानों के प्रति पहले व्याप्त नफरत को और बढ़ाने के लिए किया जाता है। इस नफरत का इस्तेमाल आरएसएस-भाजपा हिंदू राष्ट्र के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए करते हैं।

पहलगाम के मसले से भारतीय कूटनीति की बदलती प्रकृति भी सामने आ गई है। 1972 में इंदिरा गांधी और जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच हुए शिमला समझौते के अनुसार सारे मसलों का समाधान किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के बिना द्विपक्षीय आधार पर ही किया जाना है। लेकिन अब तो पूरे मसले पर डोनाल्ड ट्रंप हावी हैं। नरेन्द्र मोदी उनका मुकाबला करने में अक्षम हैं। इससे समीकरण बदल गए हैं। वैश्विक स्तर पर ज्यादा देश भारत के पक्ष में खड़े नहीं हुए।

मुख्या मुद्दा यह है कि कश्मीर का मसला अटल बिहारी वाजपेयी के इंसानियत, कश्मीरियत और जम्हूरियत के नारे के आधार पर सुलझाया जाए। हम अपने पड़ोसियों के साथ शांति से रहें, यह बहुत जरूरी है। वाजपेयी ने ही कहा था कि हम अपने मित्र तो चुन सकते हैं लेकिन अपने पड़ोसी नहीं चुन सकते। पाकिस्तान के प्रति दक्षिणपंथियां की नफरत और उसके साथ नफरती गोदी मीडिया की बकवास का नतीजा भारतीय मुसलमानों को भुगतना पड़ता है। इससे देश में सौहार्दपूर्ण माहौल कायम रखना मुश्किल हो जाता है।

पहलगाम के मसले के चलते और गहरी होती साम्प्रदायिकता की समस्या को समझने की जरूरत है और देश में शांति और समृद्धि के लिए नफरत और जंग की वकालत करने वालों को नकारना आवश्यक है। अब तक मुसलमानों को पाकिस्तानी कहकर गाली दी जाती थी अब उसमें कश्मीरी शब्द भी जुड़ गया है। इसका इस्तेमाल उनके प्रति नफरत बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

संपादकीय

चीन प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये पाक को सबक सिखाया है, चीन प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन करता नजर आ रहा है। चीन-पाक की दुरभिसंधि दशकों पुरानी है लेकिन उसकी हालिया करतूतों की टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वह न केवल पाकिस्तान की सैन्य व आर्थिक मदद ही कर रहा है बल्कि चीनी सरकारी मीडिया भी कुप्रचार व भ्रामक समाचार फैलाने में पाक के साथ खड़ा नजर आ रहा है। अब उसने अपनी नई करतूत अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलकर उजागर की है। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। लगातार तीसरे साल चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदला है। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। जैसा कि उम्मीद भी थी, भारत सरकार ने चीन के इन बेतुके दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। नई दिल्ली ने बीजिंग के इस बेतुके-निराधार दावे को सिरे से नकार दिया है। भारत सरकार ने फिर से दोहराया है कि 'अरुणाचल भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था और हमेशा रहेगा।' दरअसल, चिंता की बात यह है कि चीन ने यह करतूत ऐसे समय में की है जब पहलगाम हमले और उसके जवाब में सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के चलते भारत-पाक के बीच तनाव कायम है। निश्चय ही इन स्थितियों में चीन का यह भड़काऊ कदम है। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीय उपमहाद्वीप में हाल ही में हुई उथल-पुथल के दौरान पाकिस्तान को उसके सदाबहार दोस्त बीजिंग का भरपूर समर्थन मिला है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। भले ही वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा करता हो। निस्संदेह, ऐसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। बीते वर्ष विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने व्यंग्यात्मक लहजे में एक सवाल पूछा था, 'अगर आज मैं आपके घर का नाम बदल दूं तो क्या वो मेरा हो जाएगा?' लेकिन निर्विवाद रूप से चीन ने विदेश मंत्री के इस संदेश को नजरअंदाज ही किया है। इतना ही नहीं वह फिर से भौगोलिक क्षेत्रों के नामों के मनमाने मानकीकरण के साथ आगे बढ़ गया है। लेकिन सवाल इस करतूत के समय का है। जाहिर बात है कि बीजिंग ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। उस पाकिस्तान को, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कड़ी चेतावनी दी थी। प्रधानमंत्री ने सिर्फ और सिर्फ पाकिस्तान द्वारा कब्जाए कश्मीर पर ही बातचीत करने की बात कही थी। ऐसे में चीन ने अरुणाचल पर अपने क्षेत्रीय दावे से फिर से पाकिस्तान का मनोबल बढ़ाने का कुत्सित प्रयास किया। यह जानते हुए भी उसके दावे निराधार हैं। वहीं दूसरी ओर मोदी सरकार ने चीन के सरकारी मीडिया, खासकर ग्लोबल टाइम्स द्वारा कथित तौर पर फैलाए जा रहे पाकिस्तानी दुष्प्रचार के मामले को गंभीरता ले लिया है।

सोशल मीडिया पर देह की नुमाइशः सशक्तिकरण या आत्मसम्मान का संकट?

(लेखक--प्रियंका सौरभ)

लाइक्स की दौड़ में खोती पहचान- नारी सशक्तिकरण का असली मतलब सोशल मीडिया पर नारी देह का बढ़ता प्रदर्शन क्या वाकई सशक्तिकरण है या महज़ लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़? क्या हम सच्ची आज़ादी की ओर बढ़ रहे हैं या एक डिजिटल पिंजरे में कैद हो रहे हैं? क्या आत्मसम्मान की जगह केवल देह की नुमाइश रह गई है? क्या महिलाओं की पहचान अब सिर्फ उनके शरीर के आकार तक सिमट गई है? यह सवाल आज की डिजिटल पीढ़ी के सामने एक बड़ी चुनौती है, जो सशक्तिकरण और आत्मसम्मान के असली मायने खोजने की मांग करता है।

तो सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे?

क्या हो गया है आजकल औरतों को? सोशल मीडिया पर उठते कोलाहल में हर ओर एक ही स्वर गूंज रहा है - देह प्रदर्शन का। कहीं चटकते-फड़कते रील्स में, कहीं भड़कते-उलझते डांस मूव्स में, और कहीं ज़ूम इन होती नज़रों के बीच, बस एक ही प्रदर्शन - अपनी चपल देह की अदा का। मानो देह ही पहचान बन गई हो।

सच पूछो तो इस दौर में देह का कारोबार जितना खुलकर हो रहा है, उतना पहले कभी न हुआ था। सोशल मीडिया ने देह को एक प्रॉडक्ट बना दिया है, जिसे जितना ज्यादा दिखाओ, उतना ज्यादा लाइक्स, फॉलोअर्स और व्यूज़ बटोर लो। मानो आत्मसम्मान का कद अब कमेंट्स की लंबाई और लाइक्स की संख्या से मापा जाने लगा हो।

वो जो कभी सभ्यता की पहचान थी, अब डिजिटल हाट बाजार में बिक रही है। जिस समाज में नारी का सम्मान उसकी आंखों की लज्जा, चेहरे की सौम्यता और आचरण की मर्यादा से आंका जाता था, वहां आज उसका अस्तित्व उसके चोली के घेरे और पिंडलियों की नुमाइश में सिमट कर रह गया है।

यह डिजिटल क्रांति का अजीब दौर है, जहां औरतें बोल्ड होने का झूठा अर्थ बदन दिखाने से जोड़ बैठी हैं। यह कैसी आज़ादी है, जहां अपनी पहचान की कीमत देह के टुकड़ों में चुकानी पड़े? औरतें खुद को जिस फेमिनिज्म की आड़ में उभार रही हैं, क्या वो असल में नारी शक्ति का उत्थान है, या महज़ लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़?

सोचिए, इस देह प्रदर्शन की होड़ में कितनी महिलाएं खुद को खो रही हैं? क्या यह वाकई सशक्तिकरण है या एक नया बंधन, जहां औरतें एक डिजिटल पिंजरे में फंसती जा रही हैं, अपनी असली पहचान को खोकर बस एक देह भर बनती जा रही हैं?

नारी स्वतंत्रता का अर्थ तो आत्मसम्मान, शिक्षा, और निर्णय लेने की स्वतंत्रता था, न कि केवल बदन दिखाने का अधिकार। ये तो वही हुआ जैसे किसी को सोने की चिड़िया बना दो और फिर पिंजरे में कैद कर दो।

सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे?

आज सोशल मीडिया एक ऐसा मंच बन चुका है, जहां कुछ महिलाएं खुद को साबित करने के लिए हर हद पार कर रही हैं। कपड़ों का छोटा होना और बोल्ड पोज़ देना ही अगर बोल्डनेस है, तो फिर आत्मविश्वास, शिक्षा, और स्वाभिमान का क्या? क्या यही है सशक्तिकरण का असली मतलब? क्या हमारा समाज वाकई इतना सतही हो गया है कि हम केवल बदन के आधार पर किसी की कीमत आंकने लगे हैं?

सोचिए, आज जो महिलाएं देह प्रदर्शन को सशक्तिकरण मान रही हैं, क्या वो सच में खुद को सशक्त महसूस करती हैं? क्या उन्हें पता है कि वो केवल एक डिजिटल उत्पाद बनकर रह गई हैं, जिनका मूल्य केवल उनके शरीर के आकार और नृत्य कौशल से मापा जाता है?

यह समस्या केवल महिलाओं की नहीं है, बल्कि उस पूरी डिजिटल संस्कृति की है, जिसने नारी शरीर को एक मनोरंजन सामग्री बना दिया है। वो शरीर जो कभी मातृत्व, प्रेम और करुणा का प्रतीक था, आज महज़ व्यूज़ और फॉलोअर्स की भूख का साधन बन गया है।

तो सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे? आखिर सवाल यह है कि क्या देह का प्रदर्शन वाकई सशक्तिकरण है या बस एक भ्रम? क्या आज की नारी अपनी असली पहचान से दूर होती जा रही है, जहां उसकी शक्ति, बुद्धि और आत्मविश्वास की जगह सिर्फ उसके शरीर का आकार और आकर्षण ही अहम रह गया है? यह डिजिटल युग हमें नई संभावनाओं और अभिव्यक्ति की आज़ादी देता है, पर क्या यह स्वतंत्रता वाकई हमें आज़ाद कर रही है या बस एक और जाल में फंसा रही है?

नारी स्वतंत्रता का अर्थ केवल कपड़ों की लंबाई या शरीर के प्रदर्शन तक सीमित नहीं है। असली स्वतंत्रता है अपने विचारों, अधिकारों और आत्मसम्मान की रक्षा करना। यह वो स्वतंत्रता है, जो एक नारी को उसकी असल पहचान देती है - एक शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त इंसान के रूप में।

सोशल मीडिया पर जिस दिखावे की होड़ मची है, वह केवल लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़ नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की गिरावट का प्रतीक है। यह एक डिजिटल पिंजरा है, जहां औरतें खुद को स्वतंत्र मानते हुए भी एक गहरे बंधन में बंधी हुई हैं।

हमें यह समझना होगा कि असली सशक्तिकरण आत्मनिर्भरता, शिक्षा और आत्मसम्मान में है, न कि केवल देह प्रदर्शन में। अगर हमें सही मायनों में नारी शक्ति को बढ़ाना है, तो हमें इस भ्रम से बाहर आना होगा और एक ऐसा समाज बनाना होगा, जहां औरतें अपनी पहचान अपने विचारों से बनाएं, न कि केवल अपने शरीर से।

(चिंतन-मनन)

चिंतन सही हो

एक व्यक्ति ने अपने मित्र से साठ रूपए उधार लिए। कुछ दिनों बाद वह आया और बीस रूपए देकर बोला, सारे रूपए आ गए? मित्र ने कहा, साठ दिए थे और तुम बीस लौटा रहे हो, तो अभी चालीस रूपए बाकी रहेंगे। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, नहीं, दस और दस साठ होते हैं। मैंने साठ रूपए लौटा दिए हैं। मित्र ने कहा, भोले आदमी! दस और दस बीस ही होते हैं। तीस और तीस साठ होते हैं। उसने कहा, मैं इस बात को नहीं मानता। मैं तो यही मानता हूं कि दस और दस साठ होते हैं। मेरी मान्यता मेरे पास और तुम्हारी मान्यता तुम्हारे पास।

ऐसे मानने वाले को विधाता भी नहीं समझा सकता। गणित का नियम -दस और दस बीस होते हैं। कोई व्यक्ति इस गणित के नियम को जानने की बात छोड़कर मानने की बात को ही पकड़ बैठता है तो उसका कोई इलाज नहीं है। हम मानने की बात को छोड़ दें और जानें। सदा जानने का प्रयत्न करें। सदा जानें। हम विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रयत्न करें। वे प्राप्त हों तो ठीक है, न हों तो कोई बात नहीं। पुरूषार्थ को सही दिशा में लगाएं। पुरूषार्थ निरंतर हमारा साथ दे। हम प्रयत्न को बंद न करें।

पुरूषार्थ को साथ लेकर चलें। मन और शरीर को विशेष आदेश दें। मन जो भटकता रहता है, अनेक प्रवृत्तियों में संलग्न रहता है, बहुत अधिक सक्रिय और गतिशील है, उस पर हम कुछ नियंत्रण करें। मन की सक्रियता को कम करें।

विचार मंथन

भ्रष्टाचार पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से जागी लोकतंत्र की उम्मीद

(लेखक- सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने पहले ही दिन केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के खिलाफ फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से भारतीय लोकतंत्र और न्यायपालिका की संवैधानिक ज़िम्मेदारी का प्रमाण है। 1998 में महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री रहते हुए नारायण राणे ने जिस 30 एकड़ वन भूमि को बिल्डरों को सौंप दी थी। सुप्रीमकोर्ट ने उसे अवैध घोषित करते हुए, भूमि को तत्काल वन विभाग को लौटाने का आदेश दिए हैं। सुप्रीमकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है, सत्ता में बैठे लोग कानून से ऊपर नहीं हैं। वह मनमाने निर्णय नहीं ले सकते हैं। सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का यह निर्णय ऐसे समय पर आया है। जब देश में भ्रष्टाचार को लेकर गहरा अविश्वास एवं आम जनता में गुस्सा फैल रहा है। सत्ता में बैठे कई नेताओं पर गंभीर आरोप लगते हैं। वर्तमान सरकारें भ्रष्टाचारा आरोपों की जांच भी नहीं कराना चाहती हैं। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई द्वारा पद की शपथ लेने के 24 घंटे के अंदर यह फैसला देना, वर्तमान समय में न्यायपालिका का साहसिक संकेत है। न्यायिक प्रणाली में भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों और नेताओं को उनकी पोजीशन के कारण नजर अंदाज न्यायपालिका नहीं करेगी। इस फैसले ने देश में नेता-बिल्डर-अधिकारियों के उस गठजोड़ को उजागर किया है। जो पिछले कई दशकों से सरकारी एवं जनहित की भूमि को अपने लाभ के लिए बेचता आया है। यह सरकारी एवं प्राकृतिक संसाधनों की लूट है। जनता के भरोसे और उनके प्राकृतिक, मौलिक अधिकारों की हत्या भी है। सुप्रीमकोर्ट का यह फैसला विकास के नाम पर की गई लूट को अवैध रूप से कानूनी जामा पहनाने और निजी मुनाफे कमाने का जरिया हैं। इस पर सुप्रीमकोर्ट ने न्याय की गाज गिराई है। सुप्रीमकोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले से भाजपा की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति पर भी सवाल उठना शुरू हो जाएंगे। विकास के नाम पर जिस तरह से सरकारी और सार्वजनिक स्थलों की लूट की जा रही है। उन पर रोक लगेगी। स्वाभाविक है, नारायण राणे अभी केंद्र में मंत्री हैं। उनके बेटे राज्य सरकार में मंत्री हैं। भाजपा, केंद्र सरकार और राज्य सरकार की नीति वास्तव में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त है, तो केंद्र सरकार और महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीमकोर्ट के इस फैसले के बाद त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। केन्द्र सरकार को नारायण राणे को मंत्री परिषद से हटाना चाहिए। न्यायपालिका ने फैसला देकर अपनी भूमिका का निर्वाह किया है। अब बारी कार्यपालिका की है। कार्यपालिका भ्रष्टाचार के खिलाफ जनविश्वास को बहाल करे। यह फैसला राणे तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सुप्रीमकोर्ट के आदेश बाद सभी राज्यों में ऐसे सभी सौदों की निष्पक्ष और कठोर जांच शुरू कर कार्यवाही होनी चाहिए। सुप्रीमकोर्ट का यह निर्णय आने वाले समय में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के लिए सुप्रीमकोर्ट की यह एक चेतावनी भी है। यह महज़ भ्रष्टाचार के खिलाफ एक कानूनी फैसला भर नहीं है। यह फैसला इस बात का संदेश देता है, न्याय में भले विलंब हो जाए। दोषी को समय आने पर दंड जरूर मिलता है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने आते ही न्याय के प्रति अपने कर्तव्य और जिम्मेदारियों का अहसास करना शुरू कर दिया है। न्यायपालिका पिछले कुछ वर्षों से दबाव में काम करती नजर आ रही है। सरकार और सत्ता पक्ष के राजनेताओं के खिलाफ फैसला देने से न्यायपालिका डरने लगी है। जिस तरह से सरकार ने न्यायपालिका पर दबाव बनाया है। सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का यह फैसला न्यायपालिका के प्रति विश्वास जगाने वाला है। न्यायपालिका को लेकर आमजनों के बीच जो इमेज बन रही थी। निश्चित रूप से सुप्रीमकोर्ट के सख्त रूख से आमजनों के बीच न्यायपालिका के प्रति एक नया विश्वास जागृत होगा। भारतीय लोकतंत्र एवं संविधान मजबूत होगा। सभी की जिम्मेदारी तय होगी, यही कहा जा सकता है।

अमेरिका के टोरनेडो में तूफान ने पूरी रात मचाई तबाही, 27 की गई जान, हजारों हुए बेघर

टोरनेडो।

अमेरिका के टोरनेडो में आए तूफान ने तबाही मचा दी। यहां 27 लोगों की जान चली गई जबकि हजारों लोग बेघर हो गए। मिडवेस्ट और साउथ के राज्यों में आधी रात को आए इस काल ने कम से कम 27 लोगों की जान ले ली। हर तरफ तबाही के सबूत बिखरे पड़े हुए थे। अमेरिकी दक्षिणी राज्य केंटकी और मिसूरी मानों पूरी तरह से उजड़ गए हैं। हजारों-लाखों लोग बेघर हो गए है। गवर्नर एंडी बेशर ने बताया कि उनके राज्य में 18 लोगों की मौत हुई, जिसमें 17 मौतें लॉरिल काउंटी में और एक पलास्की काउंटी में हुई। मिसूरी में सात लोगों की जान गई, जबकि उत्तरी वर्जीनिया में दो लोगों की मौत पेड़ गिरने से हुई। केंटकी में 10 लोग गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। यूएस 17 मई, 2025 को आए तूफ़ान में किम्बर्ली वेल्स अपने घर को हुए नुकसान के बाद अपने सामान को खंगाल रही हैं। वेल्स के कई दोस्त और परिवार के सदस्य तूफ़ान के अगले दिन नुकसान की सफ़ाई में मदद करने के लिए पहुंचे थे। हलॉरिल काउंटी में टोरनेडो ने घरों को तहस-नहस कर दिया। लंदन की रहने वाली कायला पैटरसन ने बताया कि वह अपने पति और पांच बच्चों के साथ बेसमेंट में टब में छिप गई थीं। उन्होंने कहा, 'दूर से चीजें टूटने और कांच चटकने की आवाजें आ रही थीं। ऐसा लग रहा था कि मालगाड़ी पटरी पर आवाज करती जा रही है। मेरे घर को कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन आस पड़ोस के घर आंधी में ध्वस्त हो गए। शेरिफ के कार्यालय ने रातभर और सुबह तक बचे लोगों की खोज की। एक स्थानीय हाई स्कूल में आपातकालीन आश्रय बनाया गया। ग्रोवर फिशबेक एक कमरे के दरवाजे के चौखट पर खड़े होकर किम्बर्ली वेल्स के घर को हुए नुकसान को देख रहे हैं, जब मोर्गनफील्ड, केंटकी में तूफानों की एक श्रृंखला आई थी। मिसूरी में सेंट लुइस की मेयर कारा स्पेंसर ने बताया कि उनके शहर में पांच लोगों की मौत हुई। शुक्रवार को टोरनेडो में 38 घायल हुए और 5,000 से अधिक घर तबाह हो गए। उन्होंने कहा, ÷यह तबाही दिल तोड़ने वाली है।÷ सबसे प्रभावित इलाकों में कर्फ्यू लागू है। सेंट लुइस के सेंटेनियल क्रिश्चियन चर्च का हिस्सा ढह गया, जिसमें एक महिला पैट्रिशिया पेनल्टन की मौत हो गई। सेंट लुइस जू में तितली सुविधा की छत क्षतिग्रस्त हुई और तितलियों को चेस्टरफील्ड कंजर्वेटरी में रख दिया गया है। स्कॉट काउंटी में टोरनेडो से दो लोगों की मौत हुई और कई घर नष्ट हो गए। केंटकी में पहले भी ऐसी आपदाएँ आ चुकी हैं। 2021 में टोरनेडो से 81 लोगों की मौत हुई थी, 2022 में बाढ़ से दर्जनों लोग मारे गए थे। शोधकर्ताओं के अनुसार, पारंपरिक 'टोरनेडो एले' (ओक्लाहोमा, कंसास) की तुलना में अब मिड-साउथ में टोरनेडो ज्यादा हो रहे हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी कि टेक्सास, ओक्लाहोमा, और अरकंसास में रविवार तक बड़े ओले, तेज हवाएं और टोरनेडो का खतरा बना रहेगा। लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है। मौसम विभाग ने पहले चेतावनी जारी नहीं की।

पहला कॉलम

राजनाथसिंह और अमित शाह के बाद अब पीएम मोदी महीने के अंतिम सप्ताह गुजरात आएंगे

अहमदाबाद।

रक्षा मंत्री राजनाथसिंह और केन्द्रीय गृह मंत्री के बाद अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गुजरात दौरे की तैयारियां शुरू हो गई हैं7 ऐसी जानकारी है कि पीएम मोदी मई के आखिरी सप्ताह में गुजरात का दौरा करेंगे। अगर प्रधानमंत्री मोदी गुजरात आते हैं तो ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह उनका पहला गुजरात दौरा होगा। खबर है कि पीएम मोदी के दौरे को लेकर भुज एयरबेस, दाहोद और अहमदाबाद में कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बाद अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात का दौरा कर सकते हैं। अपने गुजरात दौरे के दौरान पीएम मोदी कच्छ में माता का मढ़ के दर्शन भी कर सकते हैं7 इसके अतिरिक्त, कच्छ दौरे के दौरान एक सार्वजनिक सभा के आयोजन की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। जानकारी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 मई को दाहोद आ सकते हैं। जिसे लेकर दाहोद में मंत्री कुबेर डिंडोर की अध्यक्षता में एक बैठक हुई, जिसमें पीएम मोदी के दौरे की तैयारियों पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री मोदी 9000 एचपी इलेक्ट्रिक इंजन विनिर्माण परियोजना का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा, वह विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे।

सरकार ने सशस्त्र बलों को दी ईपी-6 शक्तियां प्रदान, इमरजेंसी में खरीद सकेंगे हथियार

नई दिल्ली।

भारत ने साफ कहा है पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देने के अपने तरीकों में सुधार नहीं करता है तो ऑपरेशन सिंदूर के तहत शत्रुता खत्म करना केवल एक 'रणनीतिक विराम' है। इसके बाद सरकार ने सशस्त्र बलों को ईपी-6 शक्तियां प्रदान की हैं। इनकी कुल बाहरी सीमा करीब 40,000 करोड़ रुपए है। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि सेना, वायुसेना और नौसेना के लिए अपने हथियार भंडार को बढ़ाने और भरने के लिए इमरजेंसी खरीद-6 की मंजूरी कुछ दिन पहले ही रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की अगुवाई वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद द्वारा दी गई थी। पहले चार इमरजेंसी खरीद पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सैन्य टकराव के दौरान दिए गए थे। जबकि पांचवां आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए था। ईपी-6 के तहत, सशस्त्र बल सामान्य लंबी-चौड़ी खरीद प्रक्रिया का पालन करने के बजाय पूंजी और राजस्व दोनों प्रमुखों के तहत 300 करोड़ रुपए के प्रत्येक अनुबंध को तेजी से पूरा कर सकते हैं। एक अधिकारी ने कहा कि कॉन्ट्रैक्ट्स को 40 दिनों में अंतिम रूप दिया जाना है। साथ ही डिलीवरी एक साल में पूरी की जानी है। तीनों सेनाओं के उप प्रमुखों की तरफ से शक्तियों का इस्तेमाला किया जाएगा। इससे सशस्त्र बलों को मिसाइलों और अन्य लंबी दूरी के हथियारों, लोइटर और सटीक-निर्देशित युद्ध सामग्री, कामिकेज ड्रोन और काउंटर-ड्रोन प्रणालियों के अलावा अन्य हथियारों और गोला-बारूद का भंडार करने में मदद मिलेगी। मौजूदा वित्त वर्ष के लिए तय समग्र रक्षा व्यय की कुल पूंजी और राजस्व खरीद पर 15 फीसदी की सीमा है। अधिकारी ने कहा कि सभी ईपी-6 खरीद वित्तीय सलाहकारों की सहमति से होनी चाहिए, जबकि आयात के लिए विशेष अनुमति की जरुरत होती है। उन्होंने कहा कि वास्तविक व्यय कुल 15 फीसदी बाहरी सीमा से कम होने की संभावना है, लेकिन यह सेनाओं को तत्काल परिचालन अंतराल को पूरा करने और 7 से 10 मई तक चार दिनों की भीषण शत्रुता में खत्म हुए गोला-बारूद के भंडार को फिर से भरने के लिए अपेक्षित लचीलापन देता है।

योगी सरकार की बड़ी पहल : 1990 से पहले के संपूर्ण राजस्व अभिलेखों के डिजिटलाइजेशन की तैयारी

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सूबे में डिजिटल क्रांति की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने की तैयारी है। स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग ने पुराने राजस्व अभिलेखों और लेखपत्रों को शाश्वत काल तक सुरक्षित रखने के लिए डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। इसके तहत अब 1990 से पहले के संपूर्ण राजस्व अभिलेखों को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की तैयारी चल रही है और जल्द ही इस कार्य के लिए संस्था का चयन किया जाएगा। विभाग चरणबद्ध तरीके से पुराने अभिलेखों की स्कैनिंग और डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा कर रहा है। विभाग की ओर से मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत की गई प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2025 तक 2002 से 2017 तक के विलेखों का डिजिटलाइजेशन 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। वहीं, 1990 से 2001 तक के विलेखों के डिजिटलाइजेशन के लिए यूपीडीईएससीओ की ओर से टेंडर प्रक्रिया चल रही है। अब तीसरे चरण में 1990 से पहले के अभिलेखों को डिजिटल रूप में संरक्षित करने की योजना पर काम शुरू होने जा रहा है। इस डिजिटलाइजेशन प्रक्रिया से राजस्व से जुड़े दस्तावेजों तक पहुंच आसान हो जाएगी।

स्कैनिंग के बाद अभिलेखों की हार्डकॉपी को सेंट्रल रिकॉर्ड रूम में शिफ्ट किया जाएगा, जिससे उपनिबंधक कार्यालयों में पुरानी फाइलों के अंबार से राहत मिलेगी।

इससे न केवल कार्यालयों में स्थान की उपलब्धता बढ़ेगी, बल्कि अभिलेखों की दीर्घकालिक सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की डिजिटल गवर्नेंस की यह पहल न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को आधुनिक बना रही है, बल्कि जनता को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। डिजिटल अभिलेखों के माध्यम से जानकारी प्राप्त करना सुगम होगा और पुराने दस्तावेजों को खोजने में लगने वाला समय और संसाधन बचेगा। यह कदम उत्तर प्रदेश को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

लश्कर कमांडर आतंकी सैफुल्लाह पाकिस्तान में ढेर

भारत में हुए तीन बड़े हमलों से जुड़ा था नाम, अज्ञात हमलावरों ने मारी गोली

नई दिल्ली।

लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख कमांडर आतंकी सैफुल्लाह खालिद को पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हलाक कर दिया। भारत में हुए कई आतंकी हमलों में नाम जुड़े होने के कारण सैफुल्लाह इंडिया में मोस्ट वांटेड आतंकी था। जानकारी अनुसार लश्कर कमांडर सैफुल्लाह लंबे समय से नेपाल से अपने नापाक इरादों को अमली जामा पहनाने में लगा हुआ था। फिलहाल वह पाकिस्तान के सिंध प्रांत के मतली, बदीन कैंप से अपने काम को अंजाम दे रहा था। भारत में अलग-अलग समय में हुए बड़े आतंकी हमलों से उसका नाम जुड़ा हुआ था। इन हमलों में महाराष्ट्र के नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय में साल 2006 में हमले की साजिश रचने वालों में शामिल रहा। राहत की बात यह रही कि इस साजिश को पुलिस ने नाकाम कर तीन आतंकियों को मार गिराया था। इससे पहले बेंगलुरु में साल 2005 में भारतीय विज्ञान संस्थान के ऑडिटोरियम में हुए आतंकी हमले और उत्तर प्रदेश के रामपुर में स्थित सीआरपीएफ कैंप पर 2008 में किए गए आतंकी हमले में भी सैफुल्लाह का हाथ रहा। आतंकी हमलों के साजिशकर्ताओं में लश्कर कमांडर सैफुल्लाह का नाम प्रमुखता से लिया जाता रहा है। अब सूत्रों से जानकारी मिली है कि पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर उसे ढेर कर दिया है।

अनधिकृत निर्माण मामले में अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को होगी परेशानी

मुंबई महानगरपालिका ने जारी किया कारण बताओ नोटिस

मुंबई।

मुंबई महानगरपालिका ने बॉलीवुड स्टार मिथुन चक्रवर्ती को नोटिस जारी किया है। उन्हें मुंबई मनपा अधिनियम की धारा 475 ए के तहत मुकदमा चलाने की चेतावनी दी गई है। इससे दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। दरअसल मनपा ने मिथुन चक्रवर्ती को मलाड में उनके ग्राउंड और मेजानाइन फ्लोर के अनधिकृत निर्माण के लिए कारण बताओ नोटिस भेजा है। मेजानाइन फर्श एक आंशिक फर्श होता है, जो आमतौर पर दो मंजिलों के बीच स्थित होता है। उधर मिथुन चक्रवर्ती ने कहा है कि निर्माण अनधिकृत नहीं है। इस संबंध में मिथुन चक्रवर्ती ने अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्हें यह नोटिस मालाड के एरंगल में चल रहे मनपा के अभियान के तहत मिला। उन्होंने कहा, मैंने कोई अवैध या अनधिकृत निर्माण नहीं किया है। यहां सभी को नोटिस भेजे गए हैं, हम उनका जवाब दे रहे हैं।

- क्या लिखा है नोटिस में ?

10 मई को मनपा द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस के अनुसार, मुंबई मनपा ने अनधिकृत निर्माण के लिए मुंबई महानगरपालिका अधिनियम की धारा 475 ए के तहत मुकदमा चलाने की चेतावनी दी है। धारा 475ए किसी भी अनधिकृत निर्माण को न हटाने पर जुर्माना लगाती है। प्रस्ताव में दो भूतल मेजानाइन स्तर की इकाइयां और तीन अस्थायी 10×10 इकाइयां शामिल हैं, जिनका निर्माण ईंट की चिनाई वाली दीवारों, लकड़ी के तख्तों, कांच के विभाजन और एसी शीट छत के संयोजन का उपयोग करके किया गया है। मनपा अधिकारियों के अनुसार, इस भूखंड पर निर्माण कार्य सक्षम प्राधिकारियों की अनुमति के बिना किया गया है। इस नोटिस में मनपा ने मिथुन चक्रवर्ती से पूछा है कि वे बताएं कि इस इमारत या कार्य को क्यों न हटाया जाए या इसमें परिवर्तन किया जाए या इसे ध्वस्त किया जाए या फिर इस स्थल का उपयोग बहाल क्यों न किया जाए। जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। नोटिस में कहा गया है कि यदि कारण पर्याप्त नहीं हुआ तो भवन को मालिक के जोखिम और खर्च पर ध्वस्त कर दिया जाएगा। इसके अलावा, मनपा ने चेतावनी दी है कि दोषी व्यक्ति पर मुकदमा भी चलाया जा सकता है। महानगरपालिका अधिनियम की धारा 475 ए के अनुसार, यह कृत्य जुर्माने और कारावास से दंडनीय है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने थामा प्रशांत किशोर का दामन

पटना।

इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों ने अपनी कमर कस ली है। इसी बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे आरसीपी सिंह रविवार को जन सुराज में शामिल हो गए। इसके साथ ही उनकी पार्टी 'आप सबकी आवाज' (आशा) का भी जन सुराज में विलय हो गया। पटना में जन सुराज पार्टी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने प्रशांत किशोर की पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने आरसीपी सिंह के जन सुराज में आने का स्वागत किया। प्रशांत किशोर ने कहा कि आरसीपी सिंह जैसे लोग अगर जन सुराज में आते हैं तो उनका स्वागत है। रोज कोई न कोई जन सुराज से जुड़ रहा है। जो भी इस पार्टी में आ रहा है, वह बड़े चेहरे ही हैं। उन्होंने कहा कि बड़ा चेहरा छोटे चेहरे को ही फॉलो करता है, जहां समाज रहेगा नेता अपने आप आएगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने थामा प्रशांत किशोर का दामन

पटना।

इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों ने अपनी कमर कस ली है। इसी बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे आरसीपी सिंह रविवार को जन सुराज में शामिल हो गए। इसके साथ ही उनकी पार्टी 'आप सबकी आवाज' (आशा) का भी जन सुराज में विलय हो गया। पटना में जन सुराज पार्टी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सिंह ने प्रशांत किशोर की पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने आरसीपी सिंह के जन सुराज में आने का स्वागत किया। प्रशांत किशोर ने कहा कि आरसीपी सिंह जैसे लोग अगर जन सुराज में आते हैं तो उनका स्वागत है। रोज कोई न कोई जन सुराज से जुड़ रहा है। जो भी इस पार्टी में आ रहा है, वह बड़े चेहरे ही हैं। उन्होंने कहा कि बड़ा चेहरा छोटे चेहरे को ही फॉलो करता है, जहां समाज रहेगा नेता अपने आप आएगा।

इसरो के 101वें सैटेलाइट का लॉन्च विफल

तीसरे स्टेज में गड़बड़ी आई

श्रीहरिकोटा।

इसरो ने रविवार सुबह 5.59 मिनट बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पोलर सैटेलाइट लॉन्चिंग व्हीकल के जरिए अपना 101वां सैटेलाइट ईओएस-09 (अर्थ ऑब्जर्वेटरी सैटेलाइट) लॉन्च किया, लेकिन ये लॉन्चिंग सफल नहीं हो सकी। पहले और दूसरे फेज में सफल होने के बाद तीसरे फेज में ईओएस-09 में गड़बड़ी का पता चला। इसरो चीफ वी नारायणन ने कहा कि रविवार को 101वें प्रक्षेपण का प्रयास किया गया, पीएसएलवी 61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य था। तीसरे चरण में ऑब्जरवेशन के कारण मिशन पूरा नहीं हो सका है। यह पीएसएलवी की 63वीं उड़ान थी, जबकि पीएसएलवी-एक्सएल कॉन्फिगरेशन का इस्तेमाल करते हुए 27वीं उड़ान थी। इसरो के पूर्व वैज्ञानिक मनीष पुरोहित ने बताया था कि ईओएस-09 पहले के आरआईएसएटी-1 का फॉलो ऑन मिशन है। इसरो ने एक्स पोस्ट में लॉन्चिंग के बारे में लिखा- ईओएस-09 की ऊंचाई 44.5 मीटर है। वजन 321 टन है। यह 4 फेज में बनाया गया है। मिशन

में ईओएस-09 सैटेलाइट को सन सिंक्रोनस पोलर ऑर्बिट में स्थापित करना था। ईओएस-09 रिमोट सेंसिंग डेटा देने के लिए डिजाइन किया गया है। ईओएस-09 को खासतौर पर घुसपैठ या संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसे पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद एंटी टेररिस्ट ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

भारतीय सांसदों का प्रतिनिधिमंडल 33 देशों में खोलेगा पाकिस्तान की पोल

डेलिगेशन पर मचा बवाल

59 सदस्य में सबसे अधिक चर्चा में कांग्रेस सांसद शशि थरूर

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान की भूमिका और उसके जवाब में ऑपरेशन सिंदूर पर भारत का पक्ष दुनिया के सामने रखने के लिए केंद्र सरकार ने सात डेलिगेशन गठित किए हैं, जिनमें अलग-अलग दलों के 51 सांसद और पूर्व मंत्री शामिल हैं। इसके अलावा भारतीय विदेश मंत्रालय के 8 अधिकारी भी इन प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा हैं। बैजयंत पांडा(भाजपा), रविशंकर प्रसाद (भाजपा), संजय कुमार झा (जदयू), श्रीकांत शिंदे (शिवसेना), शशि थरूर (कांग्रेस), कनिमोझी करुणानिधि (डीएमके) और सुप्रिया सुले (राकांपा-सपा) के नेतृत्व में ये सातों प्रतिनिधिमंडल कुल 32 देशों और आखिरी में सभी 59 सदस्य बेल्जियम के ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ मुख्यालय का दौरा करेंगे। लेकिन सांसदों के चयन पर बवाल मच गया है। दरअसल, कांग्रेस ने जिन चार सांसदों का नाम डेलिगेशन के लिए भेजा था उनको दरकिनार कर शशि थरूर को शामिल किया है।

बात करें कांग्रेस की तो कांग्रेस द्वारा सुझाए गए चार नामों में से सिर्फ आनंद शर्मा को प्रतिनिधियों की सूची में शामिल किया गया। शेष तीन नाम- गौरव गोगोई, सैयद नसीर हुसैन और अमरिंदर सिंह राजा वारिंग को जगह नहीं दी गई। बल्कि सूची से परे हटकर प्रतिनिधिमंडल में शशि थरूर, मनीष तिवारी, अमर सिंह और सलमान खुर्शीद को शामिल किया है।

झचार नेताओं में से केवल एक को ही स्थान दिए जाने पर कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने आपत्ति भी जताई है। उन्होंने एक बयान में कहा कि यह नरेंद्र मोदी सरकार की पूर्ण निष्ठाहीनता को साबित करता है तथा गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों पर उसके द्वारा खेले जाने वाले सस्ते राजनीतिक खेल को दर्शाता है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के आग्रह पर शामिल किए गए चार प्रतिष्ठित कांग्रेस सांसद/नेता निश्चित रूप से प्रतिनिधिमंडल के साथ जाएंगे और अपना योगदान देंगे।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा हर एक मिशन एक संदेश एक भारत सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल जल्द ही ऑपरेशन सिंदूर के तहत प्रमुख देशों से संपर्क करेंगे, जो आतंकवाद के खिलाफ हमारे सामूहिक संकल्प को दर्शाता है।' प्रतिनिधिमंडल में पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद, एमजे अकबर, आनंद शर्मा, वी मुरलीधरन, सलमान खुर्शीद और एसएस अहलूवालिया शामिल हैं, जो वर्तमान में संसद सदस्य नहीं हैं। **हर डेलिगेशन में मुस्लिम चेहरा**

गौरतलब है कि, इन सातों डेलिगेशन में शामिल सदस्यों में सत्ताधारी गठबंधन एनडीए के 31 और विपक्षी दलों के 20 सांसद व पूर्व मंत्री शामिल हैं।

युवाओं से बदलेगी खेती की तस्वीर

युवा कृषक संवाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन कृषि विभाग की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक कृषक को मिले - कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा की अध्यक्षता में रविवार को कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर के महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में युवा कर्षक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में कृषि के प्रति युवाओं में रुचि पैदा करने, कृषि संबंधी योजनाओं एवं उन्नत तकनीकी की जानकारी मुहैया कराने और कृषि क्षेत्र से संबंधित समस्याओं को समझ कर समाधान निकालने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम में किसानों को कृषि में नवाचार, जैविक खेती, बागवानी, फूलों की खेती, माइक्रो इरीगेशन, बीज मिनीकिट वितरण, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, जिप्सम वितरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कस्टम हायरिंग सेंटर और प्रगतिशील कृषक भ्रमण आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई और उनकी समस्याओं का समाधान किया गया। कृषि मंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम किसानों की समस्याओं को समझने के साथ ही योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन और किसानों की आय वृद्धि की दिशा में एक ठोस कदम साबित होगा।

कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री ने कहा कि हमारे प्रदेश की आधी से अधिक आबादी कृषि पर आधारित हैं। कृषि न केवल आजीविका का प्रमुख साधन है, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ भी है। आज के दौर में कृषि क्षेत्र में अनेक चुनौतियां आ रही है, तब युवा वर्ग की भागीदारी इस क्षेत्र में नई ऊर्जा और नवाचार ला सकती है।

उन्होंने बताया कि युवा कृषक संवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को कृषि क्षेत्र में प्रेषित करना, उन्हें आधुनिक तकनीकी से अवगत कराना और उनके विचारों का आदान- प्रदान कर एक मजबूत कृषि तंत्र विकसित करना है।

इस कार्यक्रम में युवाओं को जैविक खेती, ड्रोन तकनीकी, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य, स्मार्ट कृषि तकनीकी की जानकारी दी गई। कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि पैदावार कम होती जा रही है जिसे युवाओं का खेती से मोहभंग हो रहा है। इसलिए राज्य सरकार युवाओं में कृषि के प्रति रुचि पैदा करने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया हैं।साथ ही ग्राम सभा की बैठकों में भी यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी सभा में कृषकों को दी जाये। विभाग का प्रयास रहेगा कि कृषि विभाग की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं उनका लाभ ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक कृषकों को मिले।

'युवा कृषक संवाद' कार्यकमों से न केवल युवाओं में कृषि के प्रति रुचि बढ़ती है, बल्कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हैं। यह संवाद कार्यक्रम युवा ऊर्जा और आधुनिक तकनीकी को जोड़कर प्रदेश की कृषि को नई दिशा देने का प्रयास है।

जयपुर फल मंडी में तुर्की के सेब की नो एंट्री, भारत-पाक तनाव के चलते व्यापार महासंघ का एलान

जयपुर। राजस्थान जवाहरात-मार्बल कारोबारी पहले ही तुर्किए के बहिष्कार का एलान कर चुके हैं। अब जयपुर की फल मंडी में भी तुर्की से आने वाले फलों की एंट्री पूरी तरह से बैन कर दी गई है। जयपुर व्यापार महासंघ ने इसका फैसला लिया है।

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच जयपुर व्यापार महासंघ ने बड़ा कदम उठाया है। महासंघ ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि राजस्थान का व्यापारिक समुदाय तुर्की, अजरबैजान से किसी तरह के फल और सब्जी से जुड़ा कारोबार नहीं करेगा। जयपुर की फलमंडी में तुर्की से सेब की सप्लाई होती थी, लेकिन अब कारोबारियों ने तुर्की से आने वाले सेब की खरीद पर पूरी तरह से रोक लगाने का निर्णय लिया है।

जयपुर में एशिया की सबसे बड़ी थोक मंडी मुहाना में भी तुर्की से आने वाली सेब की सप्लाई बंद हो गई है। मंडी के थोक संघ विक्रेता संघ के अध्यक्ष योगेश तंवर ने बताया कि तुर्की की सेब दिल्ली और मुंबई होते हुए जयपुर के मुहाना मंडी में आती थीं, लेकिन अब इन शहरों से ही ऑर्डर कम हो गए हैं। इस समय तुर्की से आने वाले सेब की कीमत 250 रुपये प्रति किलो तक हो गई है। वहीं, राजस्थान में अगले कुछ दिनों में हिमाचली सेब की आवक शुरू हो जाएगी। जिससे मंडी कारोबारियों की तुर्की की सेब पर निर्भरता भी खत्म हो जाएगी। उन्होंने बताया कि महासंघ जल्द ही इस संबंध में जन जागरूकता अभियान चलाएगा, ताकि देशभर के कारोबारी और उपभोक्ता भी इस का बहिष्कार करें।

इससे पहले जयपुर में जवाहरात कारोबारी और मार्बल कारोबारी भी तुर्की से ट्रेड का संपूर्ण बहिष्कार का ऐलान कर चुके हैं। फेडरेशन ऑफ राजस्थान एक्सपोर्ट्स के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा के अनुसार जवाहरात के क्षेत्र में राजस्थान में और खास तौर पर जयपुर में तुर्की से मशीनों का आयात बड़ी मात्रा में हो रहा था। मार्बल और जवाहरात के क्षेत्र में मिलाकर राजस्थान से तुर्की के बीच सालाना 800 से 1000 करोड़ का कारोबार हो रहा था, लेकिन अब कारोबारियों ने इसके लिए एकजुट होकर तुर्की से ट्रेड को पूरी तरह से खत्म करने पर सहमति जताई है।

नारी तू नारायणी ऑपरेशन सिंदूर विजय भव विषय पर वर्क महिला शाखा की प्रेस वार्ता का आयोजन

जयपुर। वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन ऑफ रिलीजन एंड नॉलेज(2श्रह्म) जयपुर की महिला शाखा द्वारा नारी तू नारायणी ऑपरेशन सिंदूर विजय भवः के नाम से एक प्रेस वार्ता का आयोजन ध्रुव मार्ग तिलक नगर में किया गया।जिसमें वर्क की महिला - पुरुष के साथ साथ अन्य क्षेत्र में विभिन्न ओहदों पर कार्यरत महिलाओं ने भाग लिया। वर्क महिला हेड आलिया रहमान ने बताया कि हमारे देश की वीरांगनाओं एवं सेना द्वारा साहस एवं शौर्य का प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को उसी की धरती में घुस कर सबक सिखाने का जो औजपूर्ण कार्य किया गया है वो हमारे लिए गौरव का क्षण है।और हमको इस गौरव का एहसास होना चाहिए।वर्क एक्जीक्यूटिव लुबना फिरदौस ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर एक महत्वपूर्ण सैन्य अभियान था जिसका उद्देश्य पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा सुनिश्चित करना और आतंकवादी गतिविधियों को रोकना था। इस ऑपरेशन के तहत भारतीय सेना ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए,जिसमें आतंकवादियों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक शामिल थे।वर्क प्रवक्ता सैयद असगर अली ने बताया कि भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के भीतर आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किए, जिसमें बहावलपुर, मुरिदके, गुलपुर, भिंबर, चक अमरू, बाग, कोटली, सियालकोट और मुज़फ़्फराबाद शामिल थे।अली के अनुसार ये अभूतपूर्व युद्ध था जिसमें वायु रक्षा प्रणाली की परीक्षा थी ये बंदूकों,हथगोलों से नहीं अपितु ड्रोन एवं मिसाइल से लड़ा गया।भारतीय वायुसेना ने नूर खान और रहीमयार खान हवाई अड्डों पर हमले किए, जिससे पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं को नुकसान पहुंचा।

भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने सभी पाकिस्तानी मिसाइलों और ड्रोन हमलों को नाकाम किया, जिससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।वर्क हेड लाइक हसन ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद, भारतीय सेना ने अपनी ताकत और रणनीतिक क्षमता का प्रदर्शन किया, जिससे पाकिस्तान को युद्ध विराम के लिए मजबूर होना पड़ा।कार्यक्रम में डॉक्टर तसनीम, जियाउर्रहमान, डॉक्टर मलिका,रुबीना तबस्सुम, जॉन्टी भाई,यूसुफ खान, शाहिद खान, राशिद खान, इरशान अहमद,नाजनीन, शरफुद्दीन, गुलफाम साहब इत्यादि ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने सांगा बाबा सहित विभिन्न मंदिरों एवं गुरूद्वारे में किए दर्शन

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को सांगानेर के त्रिपोलिया हनुमान मंदिर, श्री सांगा बाबा भौम्या जी महाराज मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। श्री शर्मा ने गुरूद्वारे में भी मत्था टेका एवं प्रदेश की खुशहाली की अरदास की।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी सांगानेर में दर्शन किए तथा वहां मौजूद आमजन से आत्मीय मुलाकात की। इसके पश्चात श्री शर्मा ने सांगानेर में ही प्राचीन श्री बाबा रामदेव मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की।

स्कूल शिक्षा परिवार के नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष को बधाई देने वालों का लग रहा है तांता

विशेष संवाददाता

गंगापुर सिटी। स्कूल शिक्षा परिवार के नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष नीटू सिंह धावाई को बधाइयां देने वालों का दिन भर तांता लग रहा है। उल्लेखनीय है कि निजी स्कूल संचालकों के क्षेत्र में श्री धावाई शुरू से ही अपने हंसमुख स्वभाव, श्रेष्ठ व्यवहार व कुशल नेतृत्व क्षमता के लिए जाने जाते हैं। जिसके चलते अब उनके ब्लॉक अध्यक्ष बनने के बाद में क्षेत्र के निजी विद्यालयों में व्यापक सुधार देखने को मिल सकता है। इस अवसर पर बधाई देने वालों में कमल मेंबर छाहर्रा के नेतृत्व में रामचरण हलवाई, केदार हलवाई , हरिशंकर गुर्जर, प्रकाश गुर्जर रामू गुर्जर एवं

बामनवास कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम मीणा और चांद मोहम्मद मिस्त्री, शिवकुमार शर्मा ने माला और साफा पहना कर बधाई प्रेषित की।

राजस्थान में दर्दनाक हादसा

बेकाबू ट्रक ने 12 लोगों को रौंदा, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

डूंगरपुर। डूंगरपुर में देर रात दर्दनाक हादसा सामने आया है। शादी समारोह से लौटते समय एक जीप सड़क से नीचे उतर गई। ऐसे में मौके पर भारी भीड़ लग गई। लोग जीप में से घायलों को बाहर निकाल रहे थे और उन्हें अस्पताल भेजने की तैयारी कर रहें थे। साथ ही जीप को भी बाहर निकालने का प्रयास कर रहे थे। इस बीच एक बेकाबू ट्रक आया और मौके पर आई एंबुलेंस को टक्कर मारी। एक बाइक को भी टक्कर मारते हुए पलट गया।

इस दर्दनाक हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई। 8 लोग घायल हो गए। मरने वाले सभी एक ही परिवार के हैं। करीब चार घंटे तक ट्रक के नीचे दोपहिया वाहन (बाइक) और शव दबे रहे। घटना डूंगरपुर जिले के सावला इलाके की है। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। क्रेन के जरिए ट्रक हटाकर नीचे दबे शवों को बाहर निकाला जा सका।

पुलिस ने बताया कि रात करीब 11.30 बजे बाद एक सवारी जीप पिंडावल हिलावड़ी गांव के बस स्टैंड के पास बेकाबू होकर रोड से उतर गई थी। कुछ सवारियों को चोट लगी थी। लोग घायलों की मदद के लिए जुटे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार में आ रहा ट्रक वहां खड़े लोगों के ऊपर पलट गया।

शादी समारोह से लौटते वक्त हुआ हादसा

आज अलसुबह 3.30 बजे ट्रक के नीचे से शव निकाले जा सके। घायलों को सागवाड़ा (डूंगरपुर) हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। जीप सवार सभी लोग पिंडावल गांव में एक शादी समारोह में गए थे। ये लोग शादी समारोह से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान ये हादसा हुआ। घायलों को कई लोग बचाने के रुके थे। उनको भी ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया।

परिवार में मच गया कोहराम

हादसे में डूंगरपुर के सावला इलाके के ही बाड़ीगामा बड़ी गांव निवासी लवजी पाटीदार, डायालाल पाटीदार, सविता पाटीदार और भावेश पाटीदार की मौत हो गई है। मरने वालों के परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस की ओर से आज मृतकों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। जिसके बाद शवों को परिजनों को सुपुर्द किया जाएगा। पुलिस की ओर से हादसे की जांच की जा रही है।

भव्य तिरंगा यात्रा की तैयारियों हेतु आवश्यक बैठक संपन्न

विशेष संवाददाता

गंगापुर सिटी। पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में भारतीय सेना द्वारा अपने शौर्य और रणनीति से आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से की गई सफल कार्यवाही की सफलता के संदर्भ में देश के वीर सेना के जवानों के शौर्य एवं सफल कार्रवाही के सम्मान में भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार समस्त आमजन की सहभागिता के माध्यम से आगामी 22 मई को आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा के संदर्भ में तैयारी बैठक का आयोजन बाईपास स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित की गई बैठक में विशेष रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर,तिरंगा यात्रा संयोजक शिवरतन अग्रवाल,जिला संयोजक मनोज बंसल,प्रधान मंजू गुर्जर,संघ खण्ड कार्यवाह डॉ.मनोज जैन,अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अंजू जाटव,शहर मंडल अध्यक्ष मिथलेश व्यास,ग्रामीण मंडल प्रतिनिधि रामभरोसी वैष्णव,महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष राधा दीक्षित,जिला उपाध्यक्ष महेन्द्र दीक्षित,पूर्व उपसभापति दीपक सिंघल,राजपूत समाज के जिलाध्यक्ष दीपक सिंह नरुका,अग्रवाल समाज जिलाध्यक्ष गोविंद बरनाला मंचासीन रहे भाजपा विधानसभा मीडिया प्रमुख धनेश शर्मा ने बताया कि आवश्यक बैठक के दौरान शिक्षा परिवार जिलाध्यक्ष डॉ.अनुज शर्मा,एडवोकेट सीताराम,विष्णु गुरुजी,गौसेवक विजय गोयल,एबीवीपी सीताराम गुर्जर द्वारा अपने सुझाव प्रदान किए गए। बैठक के दौरान यात्रा का शुभारंभ 22 मई को सांयकाल 4 बजे से हृदयस्थल पुरानी अनाज मंडी प्रांगण से किया जाएगा भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर एवं यात्रा संयोजक सभापति शिवरतन अग्रवाल ने बताया कि यह यात्रा विशेष रूप से ऑपरेशन सिंदूर के वीर सैनिकों के सम्मान में समर्पित होगी जिनकी वीरता ने सम्पूर्ण राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। इस यात्रा का उद्देश्य है देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के सैन्य पराक्रम,राष्ट्रप्रेम और तिरंगे के सम्मान को जन-जन तक पहुँचाना है। उक्त तिरंगा यात्रा के दौरान शहर के विभिन्न सामाजिक धार्मिक संगठनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ,भारत विकास परिषद,व्यापार मंडल,वस्त्र व्यापार संघ,रेडीमेड वस्त्र संघ,निजी शिक्षण संस्थान सहित समस्त संगठन के पदाधिकारीयों ,सदस्यों को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने का कार्य करते हुए तिरंगा यात्रा में भूतपूर्व सैनिकों,अग्निवीर,एन सी सी,स्काउट गाइड,अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद,बजरंग दल,विश्व हिन्दू परिषद, महिलाओं सहित आमजन को अधिक से अधिक संख्या में पीले चावल बांटकर आमंत्रित कर पधारने का आग्रह किया जाएगा!

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम की सफलता एवं भव्यता को सुनिश्चित करने हेतु अतिशीघ्र समस्त सामाजिक,व्यापारिक और धार्मिक संगठनों,सामाजिक वर्गों के पदाधिकारी एवं सदस्यों को जोड़ते हुए 21 सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया जाएगा!

इसी के साथ यात्रा में भक्तिमय गानों के साथ डी. जे.,सजीव झांकियों का लवाजमा भी साथ चलेगा उक्त तैयारी बैठक का संचालन तिरंगा यात्रा जिला संयोजक मनोज बंसल द्वारा किया गया मीडिया प्रमुख शर्मा ने बताया कि उक्त तिरंगा यात्रा कार्यक्रम को लेकर अंतिम तैयारी बैठक का आयोजन 20 मई 2025 को सांयकाल 5 बजे उदेई मोड़ स्थित नई मण्डी में किया जाएगा उक्त तैयारी बैठक के दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं भारतीय जनता पार्टी के समस्त पदाधिकारी, कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहे।

प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर

गंगानगर में पारा 46 डिग्री पहुंचा, हीट वेव का अलर्ट

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी का कहर जारी है। सीमावर्ती जिलों में सूरज आग उगल रहा है। अधिकतम तापमान का स्तर 46 डिग्री हो गया है। वहीं, मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 24 घंटों में गर्मी का प्रकोप और ज्यादा तेज होगा।

राजस्थान में गर्मी का प्रकोप अपने चरम पर है। प्रदेश में अधिकतम तापमान का स्तर 46 डिग्री तक पहुंच गया है। हालांकि अप्रैल के अंत में प्रदेश का पारा 47 डिग्री को छू गया था। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटों में पारे का मिजाज और बढ़ सकता है। दिन के साथ रातें भी झुलसा रही हैं। रात्रि के समय भी कई जिलों में पारा 30 डिग्री से अधिक पहुंच गया है। सर्वाधिक न्यूनतम तापमान गंगानगर में 31.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। वहीं, कई अन्य शहरों में भी न्यूनतम तापमान का स्तर 30 डिग्री से अधिक रहा।

बीते 24 घंटों में राजस्थान में गंगानगर सबसे गर्म शहर रहा। यहां अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के ज्यादातर शहरों में अधिकतम पारा 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटों में राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्र जोधपुर तथा बीकानेर में धूल भरी हवाएं चलेंगी और हीट वेव का भी जबरदस्त असर देखने को मिलेगा।

सीमावर्ती जिलों में पारा 45 से 46 डिग्री के आस-पास रह सकता है। वहीं राज्य के उत्तरी भागों में 19 और 20 मई को मेघगर्जन के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है। वहीं बीकानेर, गंगानगर में हीट वेव की चेतावनी जारी की गई है।

बीते 24 घंटों में प्रदेश के अधिकतम तापमान की स्थिति इस प्रकार रही। अजमेर में 41.4, भीलवाड़ा में 41.2, अलवर में 43, जयपुर में 43.2, पिलानी में 45.6, कोटा में 43.8, बाड़मेर में 43, जैसलमेर में 43.7, जोधपुर में 40.9, फलौदी में 45, चूरू में 45.4 तथा बीकानेर में 43.8 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया।

कुड़गांव में दशकों से फलफूल रहे इन अवैध अतिक्रमणों से सपोटरा मार्ग हो रहा है बाधित

विशेष संवाददाता

करौली जिले के कुड़गांव क्षेत्र में करौली मुख्य मार्ग से लगाकर सपोटरा रोड़ पर कार्यालय सहायक अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग उपखण्ड कुड़गांव सपोटरा की दीवार के सहारे दशकों से फल फूल रहा यह अवैध अतिक्रमण आखिर क्यों जिम्मेदारों की नजरों से ओझल बना हुआ है। इससे प्रतिदिन यहां जाम की स्थिति उत्पन्न होती है। सबसे ज्यादा परेशानी का सामना कुड़गांव से सपोटरा की ओर आने जाने वाले राहगीरों को उठानी पड़ रही है जिस पर विधायक महोदय श्री हंसराज मीणा को शीघ्र संज्ञान लेने की आवश्यकता है। क्योंकि उनकी भाजपा सरकार में अवैध अतिक्रमण हटाने को लेकर व्यापक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जिसमें राजस्थान में प्रत्येक जिलें में जिला प्रशासन प्राप्त शिकायतों के आधार पर अतिक्रमण हटाने की दिशा में शानदार कार्य कर रहा है। इसलिए कुड़गांव में हो रहे अवैध अतिक्रमण को हटा दिया जाता है तो सपोटरा उपखंड की प्रतिदिन यात्रा करने वाले हजारों राहगीरों को लगने वाले जाम से मुक्ति मिल जाएगी।

सपोटरा विधायक हंसराज मीना ध्यान दें?

जीपीएस का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर शुरू

विशेष संवाददाता

गंगापुर सिटी। गायत्री पब्लिक स्कूल के द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान प्राइमरी तक के बच्चों के लिए सुबह 7 बजे से 10 बजे तक विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण का शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिसमें बच्चों को डांस, कंप्यूटर, मेहंदी,ड्राइंग एंड पेंटिंग, हैंडीक्राफ्ट आदि का कौशलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक चेतन अग्रवाल ने बताया कि इस शिविर में भाग लेना स्वैच्छिक है ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717